No. of Printed Pages : 3

MSK–007

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम.एस.के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एस.के.–007 : साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश, ध्वन्यालोक और दशरूपक

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं। 4×15=60

1. आचार्य मम्मट द्वारा प्रतिपादित काव्यलक्षण की समीक्षा कीजिए।

2. नाट्यभेद का वर्णन करते हुए नाटक के भेदक तत्वों का निरूपण कीजिए।

3. 'दशरूपक' में वर्णित कार्यावस्थाओं का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

4. प्रतीयमान का अर्थ क्या है ? वाच्य से यह किस प्रकार अलग है ? वर्णन कीजिए।

5. काव्यगुणों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

6. अभिधा वृत्ति का परिचय देकर संकेतग्रह के योग से विस्तृत वर्णन कीजिए।

7. काव्य के भेदों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

8. व्यञ्जना नामक शब्द–शक्ति का लक्षण लिखकर उदाहरण के साथ विश्लेषण कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। $4 \times 10 = 40$

1. 'काव्यस्यात्मा ध्वनिः' की व्याख्या कीजिए।
2. 'हेतुर्नतु हेतवः' की विवेचना कीजिए।
3. नाटक में संधियों की उपयोगिता पर टिप्पणी लिखिए।
4. नायक के भेदों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
5. यमक और श्लेष अलंकार का लक्षण लिखकर उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।
6. उत्प्रेक्षा तथा रूपक अलंकारों का लक्षणोदाहरणपूर्वक वर्णन कीजिए।
7. 'ध्वन्यालोक' के प्रथम उद्योत में वर्णित अभाववादी मत का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।
8. नायिका भेदों पर लक्षणोदाहरणपूर्वक टिप्पणी लिखिए।

× × × × × × ×